कुछ मस्ती कुछ पढ़ाई

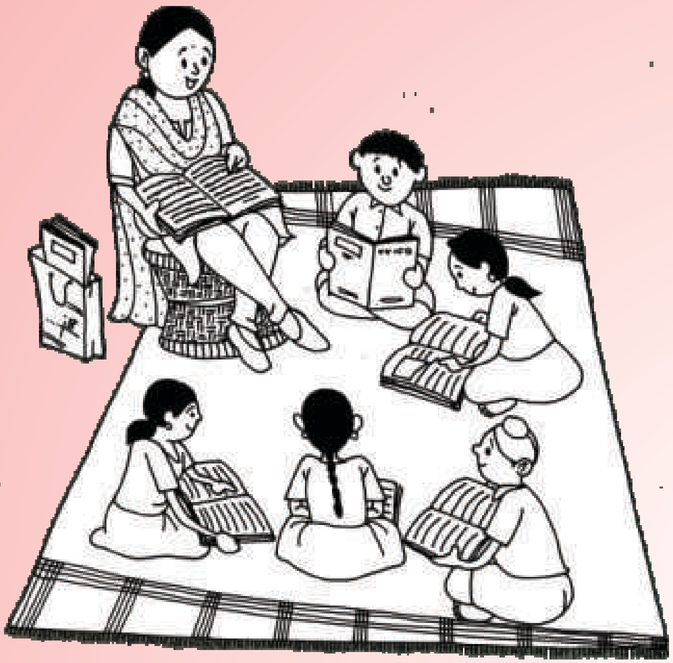

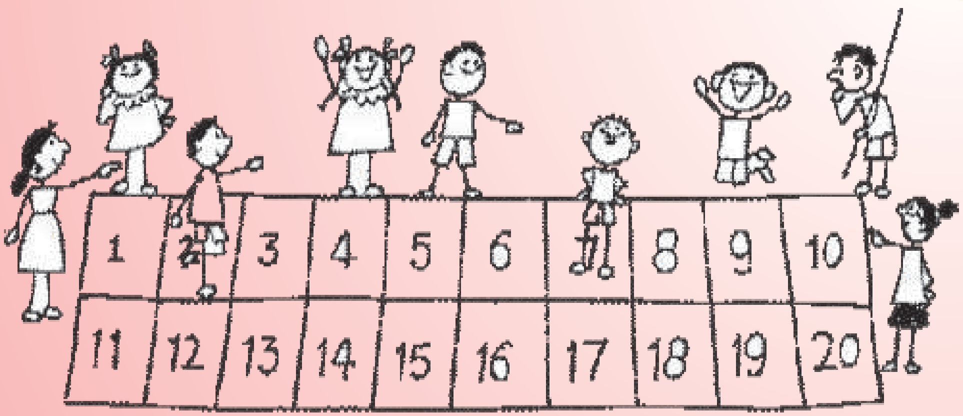

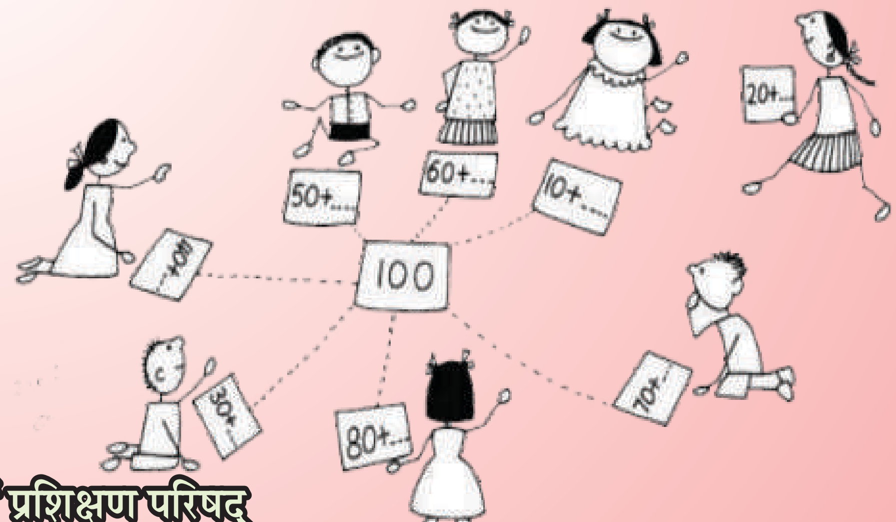

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
वरुण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024

सत्यमेव जयते

उप मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

यह एक कड़वी सच्चाई है कि दिल्ली नगरपालिका के प्राथमिक विद्यालयों व दिल्ली सरकार के माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बहुत से बच्चे अपनी कक्षा-स्तरीय पाठ्यपुस्तकों को पढ़ने में भी सक्षम नहीं हैं।

पिछले तीन वर्षों में, दिल्ली सरकार ने ऐसे कई तरह के कदम उठाए, जिनसे कक्षा 6-8 के बच्चों की शिक्षा के स्तर में सुधार आया। इस पहल से हमें कई अच्छे परिणाम भी मिले, परन्तु हमने यह भी जाना कि हम सभी बच्चों को उनके शिक्षा स्तर तक लाने में पूरी तरह सफल तभी हो सकते हैं जब हम प्राथमिक कक्षाओं से ही बच्चों की शिक्षा पर ध्यान दें।

सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे हर बच्चे को सफल होने का हर प्रकार से मौका मिलना चाहिए। 'कोई भी बच्चा पीछे न छूटे', यह सुनिश्चित करना 'मिशन बुनियाद' का प्रयास है। बच्चों में पढ़ने की क्षमता व मूलभूत (बेसिक) गणित की समस्याओं को हल करने की क्षमता अति महत्वपूर्ण है। इन्ही क्षमताओं के आधार पर आगे की कक्षाओं में शिक्षक अन्य सभी विषयों को सिखा सकते हैं।

सभी अभिभावकों के पूर्ण सहयोग द्वारा ही मिशन बुनियाद को सफल बनाया जा सकता है। ज़रूरी है कि हमें अपने सभी बच्चों को प्रतिदिन स्कूल आने के लिए प्रेरित करें, ताकि वे आवश्यक विषयों एवं पाठ का भली-भांति ज्ञान प्राप्त कर सकें। इस प्रकार के छोटे छोटे कदम हमारे बच्चों की सफलता सुनिश्चित कर सकते हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि शिक्षक व अभिभावक साथ मिलकर सभी बच्चों के लिए एक उज्जवल भविष्य का निर्माण करेंगे।

शिक्षित राष्ट्र समर्थ राष्ट्र

शुभकामनाओं सहित,

मनीष सिसोदिया

वस्तुओं के अलग–अलग उपयोग

बच्चों को बड़े गोले में बैठाएँ। गोले के बीच में चॉक, बोतल, छड़ी, रुमाल, क़लम आदि रखें। फिर किसी बच्चे से कहें कि वह अपनी पसंद की कोई वस्तु उठाए और उसका अलग–अलग उपयोग करके दिखाए, जैसे– बोतल का इस्तेमाल माईक के लिए या चॉक का इस्तेमाल ब्रश के तौर पर करना आदि।

फायर इन द माऊनटेन

सभी बच्चे गोल घेरे में खड़े हो जाएँ। शिक्षक घेरे के बीच में खड़े होकर बोलें, ''फ़ायर इन द माऊनटेन।'' बच्चे बोलें, 'रन–रन–रन।' जितनी तेज़ी से शिक्षक बोलें, 'फ़ायर इन द माऊनटेन' उतनी ही तेज़ी से बच्चे 'रन–रन–रनों बोलते हुए दौड़ें। शिक्षक जितने धीमे बोलें बच्चे भी उतने ही धीमे दौड़ेंगे। शिक्षक की आवाज़ और बच्चे की रफ़्तार के बीच तालमेल होना ज़रूरी है।

मॉडल, एक्टर और डायरेक्टर

सभी बच्चे बड़े गोल घेरे में बैठें। कोई तीन बच्चे बीच में आएँ। एक एक्टर, दूसरा मॉडल और तीसरा डायरेक्टर बने। मॉडल किसी भी पोज़ में खड़ा हो जाए मगर एक्टर उसके विपरित दिशा में खड़ा हो ताकि वह मॉडल को न देख पाए। अब डायरेक्टर, एक्टर को मॉडल के जैसे पोज़ में खड़े होने के लिए कम से कम 5–6 वाक्यों में निर्देश दें। ध्यान रहे डायरेक्टर इशारा करके नहीं बताए। यदि 5–6 वाक्यों के निर्देश में सही पोज़ बन जाए तो वह टीम विजेता होगी।

ज़िप—ज़ैप

सभी बच्चे गोल घेरे में खड़े हों। घेरे में खड़े किसी भी बच्चे से यह गतिविधि शुरू कराई जा सकती है। ज़िप का मतलब है दाईं तरफ़ ताली बजाते हुए इशारा करना। ज़ैप का मतलब है बाईं तरफ़ ताली बजाते हुए इशारा करना, जैसे– एक बच्चे ने ज़िप से शुरू किया और ताली बजाते हुए दाईं ओर इशारा किया तो दाईं तरफ़ खड़ा बच्चा ज़िप या ज़ैप कुछ भी बोल सकता है। बस उसे यह ध्यान रखना है कि ज़िप बोलकर दाईं तरफ़ ही इशारा करे न कि बाईं ओर। अगर बच्चा ज़ैप बोलकर दाईं ओर इशारा करते हुए ताली बजाए तो वह खेल से बाहर हो जाएगा।

पहचानो मैं कौन?

किसी एक बच्चे को कक्षा से बाहर जाने को कहें। बाकी सब बच्चे उसके लिए एक व्यवसाय चुनें, जैसे– डॉक्टर, मछुआरा और किसान। जब वह बच्चा वापस लौटे तो समूह के अन्य साथी मूक अभिनय द्वारा वह व्यवसाय करके दिखाए। बाहर गए बच्चे को यह पहचानना होगा कि समूह के बच्चे किस व्यवसाय का अभिनय कर रहे हैं?

अंगों से नाम लिखना

सभी बच्चे गोल घेरे में खड़े हो जाएँ। शिक्षक अँगुली से हवा में अपना नाम लिखकर दिखाएँ, फिर सबको ऐसा करने को कहें। फिर शरीर के अलग–अलग हिस्सों से, जैसे– कोहनी, सिर, नाक, घुटना आदि से हवा में अपना नाम लिखने को कहें।

टैक्सी पकड़

बच्चों से कहें कि सब को टैक्सी, रिक्शा, जीप में बैठना है। लेकिन एक निश्चित संख्या वाला समूह ही टैक्सी, रिक्शा या जीप में बैठ सकता है। शिक्षक कोई भी संख्या कहें, जैसे– 2–4–6। आपको जल्दी से उतने सदस्यों के समूह में बँटना है, जो छूट गया वह टैक्सी में नहीं बैठ सकता है। याद रहे गाड़ी में बैठने की क्षमता और बच्चों की संख्या में तालमेल रखना ज़रूरी है।

काग़ज़ पर डांस

बच्चों को दो–दो के जोड़े में बाँटें और हर जोड़े को अख़बार या कपड़े का एक–एक टुकड़ा दें। हर जोड़े को डांस के बाद अपने काग़ज़/कपड़े पर खड़ा होना है। शिक्षक ताली या संगीत बजाए। उस दौरान सभी बच्चे डांस करें। जैसे ही संगीत/ताली बंद हो, हर जोड़ा अपने–अपने काग़ज़/कपड़े पर खड़ा हो जाए। हर बार काग़ज़ को थोड़ा मोड़ना होगा, जो जोड़ा काग़ज़ से बाहर पैर रखेगा वह खेल से बाहर हो जाएगा। आख़िरी बचा जोड़ा विजयी कहलाएगा।

अलग–अलग परिस्थितियों के अनुसार चलना

बच्चों को तीन या चार की टोली के छोटे–छोटे समूहों में बाँटें। हर समूह को अपना ड्राइवर चुनने को कहें। अब उन्हें अपनी मोटर चलाने को कहें तथा वैसी ही आवाज़ निकालने और हाव–भाव दिखाने को कहें।

अब परिस्थितियाँ बदल कर बताएँ, जैसे–

- अभी शांत सड़क पर चल रहे हैं।
- अभी भीड़–भाड़ वाला इलाक़ा है।
- अभी जाम लग गया है तथा ड्राइवर आपस में झगड़ रहे हैं।
- रास्ते में कंकड़ पत्थर है।
- सड़क पर पानी भरा हुआ है।

साथ साथ गिनती गिनो

सभी बच्चे गोल घेरे में खड़े हो जाएँ। सभी को बताएँ कि 100 तक गिनती गिननी है। कोई भी बच्चा गिनती शुरू कर सकता है। मगर दो बच्चे अगर एक साथ बोलें तो फिर गिनती एक से शुरू करनी होगी। यह भी ज़रूरी है कि गिनती क्रमबद्ध या लाइन से नहीं गिनी जाएगी। कोई भी कहीं से भी शुरू कर सकता है और आगे बढ़ सकता है। अगर कोई बच्चा गिनती भूल जाता है या गिनने में हकलाने लगता है या आगे–पीछे बोलता है तो वह इस खेल से बाहर हो जाएगा।

उल्टी गिनती

सब बच्चे घेरे में बैठें। बारी–बारी ऊँचे स्वर में उल्टी गिनती बोलें। बीस से शुरू करें। पहला बोले बीस, दूसरा बोले उन्नीस, तीसरा अट्ठारह... इस तरह से बोलते जाएँ...।

इसके दो और तरीक़े हैं– पहला बच्चा बोले पचास, दूसरा उनचास ... गिनती उस वक़्त तक जारी रखें जब तक बच्चे एक तक नहीं पहुँच जाते या फिर पहला बच्चा शुरू करे 100 फिर 90, 80, 70, 60.... ।

जोड़ी बनाओ

किसी एक अक्षर कार्ड बच्चों को दिखाकर बताएँ कि यह अक्षर है 'प'। अब किसी भी एक बच्चे को वैसा ही दूसरा कार्ड ढूँढकर लाने के लिए कहें। शिक्षक उस अक्षर से शुरू होने वाला कोई शब्द पूछें, जैसे– पतंग, पंखा, पान आदि। इसी तरह अलग–अलग अक्षरों के साथ यह खेल खेलें।

अक्षर पर कूदें

ज़मीन पर कुछ ख़ाने बनाकर उसमें कुछ अक्षर लिखें। एक–एक बच्चे को बुलाएँ और बोले गए अक्षर पर उस बच्चे को कूदने के लिए कहें, जैसे– **‘ल’**, **‘प’**, **‘न’** आदि।

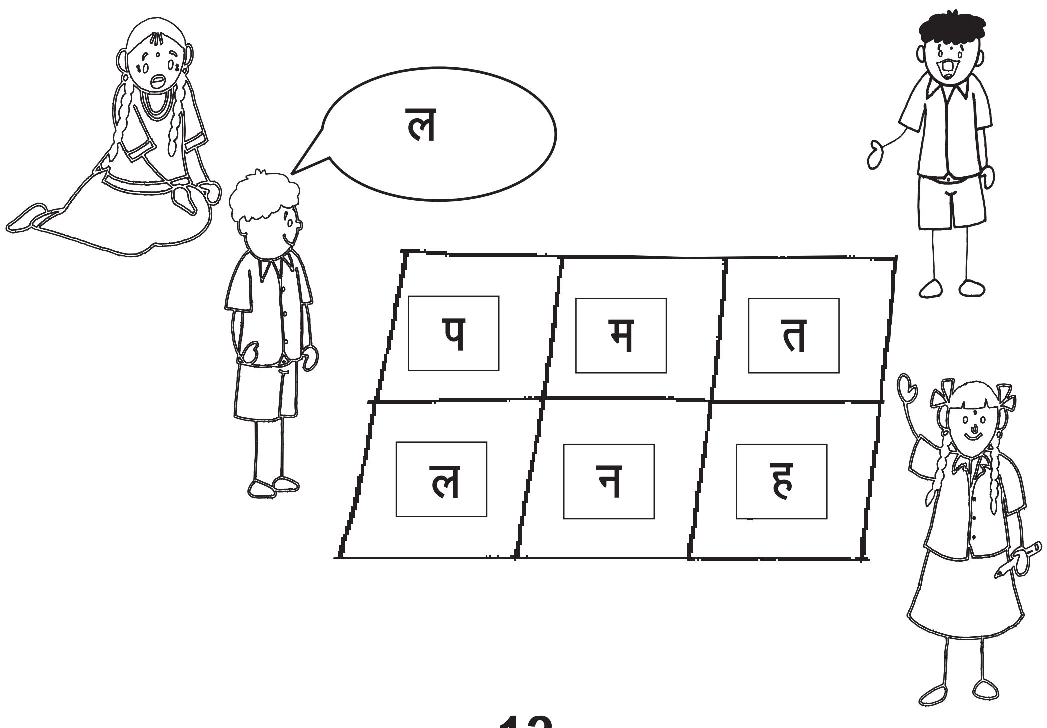

अक्षर पहचान

किसी वस्तु का चित्र बनाएँ, जैसे– मटका। चित्र के नीचे मटका लिखें। बच्चों से पूछें कि 'म' से और कौन–कौन सी चीज़ें होती हैं। बच्चों से उस अक्षर को कॉपी या ज़मीन पर लिखने के लिए भी कहें। इसी प्रकार अन्य अक्षरों के साथ भी यह गतिविधि करें।

पत्ता–पलट

चार या पाँच अक्षरों के चार–चार सेट लेकर एक सेट अपने हाथ में रखें एवं बाक़ी के अक्षरों को ज़मीन पर पलट कर रख दें। अब किसी एक बच्चे को बुलाकर उसे एक अक्षर कार्ड दिखाएँ एवं उसे पहचान कर ज़मीन पर रखे अक्षरों में से खोजने को कहें।

मिलते–जुलते शब्द

कोई एक शब्द ब्लैक बोर्ड पर लिखें और उस शब्द से मिलते–जुलते शब्द बोलें, जैसे– **कालू, भालू, मालू** आदि। अब शिक्षक बच्चों से ऐसे ही मिलते–जुलते अन्य शब्द बोलने को कहें जैसे 'माला' शब्द से मिलते–जुलते शब्द। प्रतिदिन अलग–अलग मात्राओं के शब्दों के साथ यह खेल खेलें। मिलते–जुलते शब्द अर्थपूर्ण और अर्थहीन दोनों ही हो सकते हैं।

हवा चल रही है

सभी बच्चे एक गोल घेरे में खड़े हो जाएँ। हर बच्चे के हाथ में अलग–अलग अक्षर के कार्ड दें, जैसे–'ट'। अब आप बोलें, ''हवा चल रही है, हवा चल रही है।'' घेरे में खड़े बच्चे पूछेंगे, ''कहाँ चल रही है, कहाँ चल रही है?'' शिक्षक बोलें, ''ट पर चल रही है, ट पर चल रही है।'' अब जिस बच्चे के पास 'ट' अक्षर का कार्ड होगा वह यह कहते हुए ''मैं ट हूँ'' गोल घेरे के बीच में आ जाए। इस तरह से अलग–अलग अक्षरों के साथ यह गतिविधि आगे चलती रहेगी।

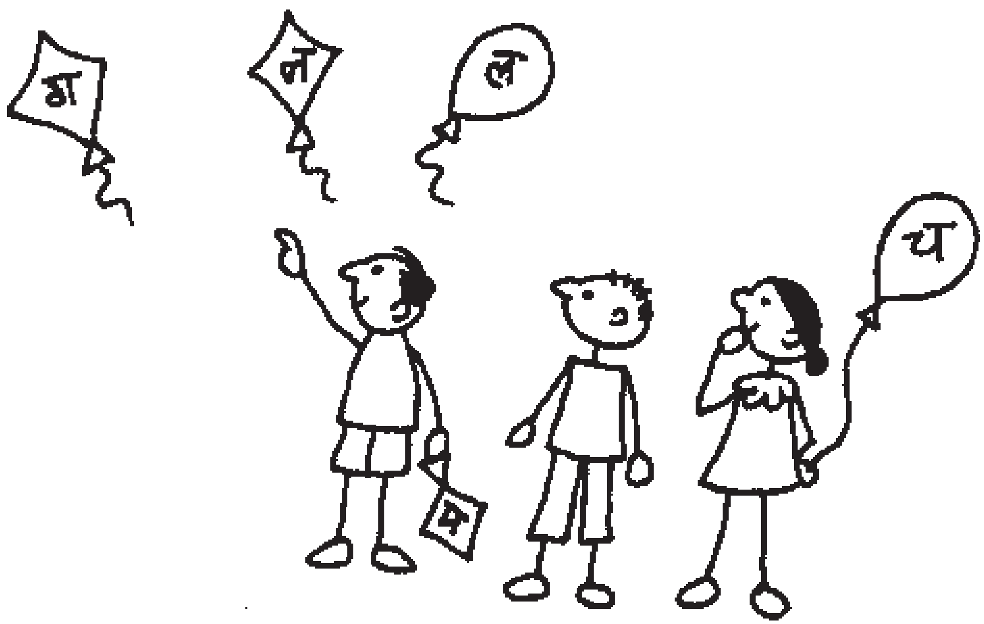

आवाज़ों के खेल–1

कुछ शब्द बोलें और बच्चों से उनकी अलग–अलग आवाज़ें पूछें, जैसे– चावल में चा, व और ल। अब बच्चों को चावल की दूसरी आवाज़ से कोई नया शब्द बनाने के लिए कहें, जैसे व को प से बदलेंगे तो चापल हो जाएगा। इस प्रकार 5–6 शब्दों के साथ यह गतिविधि करें। शुरुआत में अर्थहीन शब्द बनाए जा सकते हैं लेकिन जैसे ही बच्चे को गतिविधि समझ में आने लगे, अर्थपूर्ण शब्द ही बनाने को कहें।

आवाज़ों के खेल–2

कुछ शब्द बोलें। बच्चे उनकी अलग–अलग आवाज़ें बताएँ, जैसे– चा, बी। अब बच्चों से कहें यदि 'बी' को 'चा' के आगे लगा दें तो क्या शब्द बनेगा, जैसे– बीचा। इस प्रकार 8–10 शब्दों के साथ यह गतिविधि करें। शुरुआत में अर्थहीन शब्द बनाए जा सकते हैं लेकिन जैसे ही बच्चों को गतिविधि समझ में आने लगे, अर्थपूर्ण शब्द ही बनाने को कहें।

आवाज़ों के खेल–3

कक्षा में 10–15 शब्द बोलें। बच्चे उनकी आवाज़ें अलग–अलग करके बताएँ। अब बच्चों से उन शब्दों की पहली, दूसरी और तीसरी आवाज़ पूछें व लिखने के लिए भी कहें, जैसे– 'नदी' की दूसरी आवाज़ है 'दी' अब इसे लिखकर दिखाएँ।

अपना अक्षर याद रखें

बच्चों को गोल घेरे में खड़ा करें और एक बच्चे को बीच में खड़ा करें। हर एक बच्चे के हाथ में अक्षर दें। बच्चों को वह अक्षर याद करने को कहें। फिर बारी–बारी आकर बीच वाले बच्चे से अपना अक्षर मिलाकर जो नया शब्द बने उस शब्द को पढ़ने के लिए कहें।

शब्दों के अक्षर बताएँ

शिक्षक बड़े समूह में कोई एक शब्द बोलें और बच्चों से उस शब्द में आए अक्षर पूछें, जैसे –

रोटी – र, ट। इसी प्रकार अलग–अलग शब्द बोलें। बच्चे शब्द में शामिल अक्षर बताएँ और लिखें।

मैंने देखा

बच्चों से कहें कि वे कुछ देर चुपचाप चारों तरफ़ की चीज़ों को देखें। फिर उन्हें उन चीज़ों के नाम बताने को कहें, जैसे– आज मैंने देखा पंखा... मैंने देखी खिड़की... मैंने देखा दीदी का लाल दुपट्टा आदि। हर बच्चे की बताई हुई चीज़ अलग–अलग होनी चाहिए।

(शब्द स्तर के बच्चों को नाम लिखने के लिए कह सकते हैं।)

खोजो मेरे अक्षर

कोई एक अक्षर ब्लैकबोर्ड पर लिखें। पढ़ी गई कहानी से अक्षर को ढूँढकर उस पर गोला लगाने को कहें। बच्चों को ज़मीन या कॉपी पर उस अक्षर को लिखने के लिए भी कहें।

आवाज़ों के खेल–4

बोर्ड पर एक ही मात्रा के साथ कुछ अक्षर लिखें जैसे–

नी	ली	=	नीली
ची			
की			
दी			
पी			

अब बच्चे कोई नए अक्षर या आवाज़ जोड़कर शब्द बनाएँ। यह गतिविधि शुरू में समूह में करवाएँ। (मात्राएँ बदल–बदल कर यह गतिविधि करवाई जा सकती है।)

मात्रा लगाकर शब्द बनाएँ

बच्चों से अक्षर पर मात्रा लगवाकर नए शब्द बनवाएँ। उदाहरण के लिए दिए गए दोनों ख़ानों में से एक–एक अक्षर में अलग–अलग दिन, अलग–अलग मात्रा लगवाकर शब्द बनाने के लिए कहें। पहले खुद ही करके बताएँ, जैसे –

गीला	गाल	ग	म	+	ल	च
मना	मान	ज	ख		न	स
साल	चाल					

शिक्षक मात्रा को अक्षर के अंत में लगा कर भी शब्द बना सकते हैं।

अक्षर से शब्द

बड़े समूह में कोई एक अक्षर बोलें और उसे ब्लैक बोर्ड पर लिखें। फिर सभी बच्चों से उस अक्षर से बनने वाले शब्द बोलने को कहें। इन शब्दों को लिखने के लिए भी कहें (ज़रूरत पड़ने पर बारहखड़ी की मदद लें।)

यह गतिविधि बच्चों को छोटे समूहों में बाँटकर भी कराई जा सकती है। अधिक शब्द बोलने व लिखने वाला बच्चा विजेता होगा।

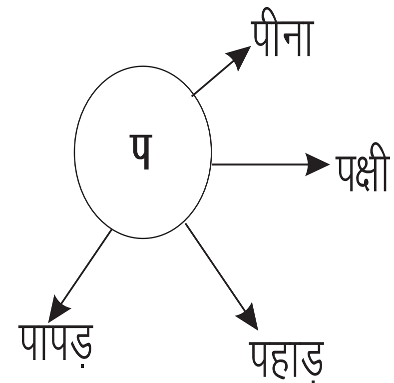

बारहखड़ी से शब्द बनाओ

बच्चों को छोटे–छोटे समूहों में बाँटें। हर समूह में बारहखड़ी का कार्ड दें और शब्द बनाने को दें।

समूह में एक बच्चे को लीडर बनने का मौक़ा दें। अंत में हर समूह से उन शब्दों को पढ़कर बताने को कहें।

हवा में लिखो

हवा में कोई शब्द लिखें। बाकी बच्चे अंदाज़ा लगाएँ कि क्या शब्द लिखा गया है? उनमें जो बच्चा सही शब्द बताए उसे शाबाशी दें और उस शब्द को बोर्ड पर लिखकर दिखाने के लिए भी कहें।

सूची बनाओ

बच्चों से उनकी मनपसंद चीज़ों के बारे में बातचीत करें, जैसे– खाने–पीने की चीज़ें, पहनने की चीज़ें, घूमने की जगह के नाम आदि। बच्चे पहले बोलें और फिर कॉपी या ज़मीन पर इन चीज़ों की सूची बनाएँ।

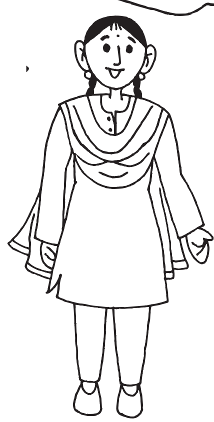

पेन कॉपी	सेब अनानास
टोपी धोती	मैदान आगरा

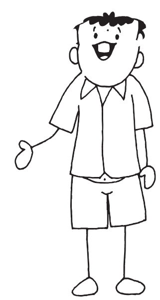

सोच–सोचकर सूची बनाएँ

बच्चों से अलग–अलग दुकानों पर बातचीत करें, जैसे– आपके आस पास कौन–कौन सी दुकानें हैं? वहाँ आप क्या–क्या देखते हैं? अगर आपको मिठाई की दुकान खोलनी है तो आप अपनी दुकान में कौन–कौन सी मिठाइयाँ रखेंगे? उनकी सूची बनाएँ।

अंत–अनंत

इस खेल को अक्षरों की संख्या के आधार पर कराएँ। हरेक दिन अक्षरों की अलग–अलग संख्या बोलकर बच्चों को उनसे शब्द बनाने के लिए कहें, जैसे– किसी दिन बोलें आज कोई भी दो अक्षरों वाले शब्द बनाएँ। अन्य दिनों में तीन, चार अक्षरों वाले शब्द बनाने के लिए कहें।

दो अक्षर वाले शब्द, जैसे – रोटी, काला, पेट, जग, लोटा इत्यादि।

तीन अक्षर वाले शब्द, जैसे– कमल, पहाड़, दैनिक, रोज़ाना इत्यादि।

शब्द ब्लैकबोर्ड पर लिखते जाएँ और बाद में बच्चों से उनका वर्गीकरण भी कराएँ।

चित्र वाचन/चित्र के आधार पर कहानी सुनाना

बच्चों को चित्र कार्ड दिखाएँ एवं कहानी सुनाने को कहें। चित्र क्रम से हों ताकि बच्चे घटनाक्रम को जोड़कर कहानी सुना सकें।

(बच्चों से उनके द्वारा सुनाई गई कहानी को लिखने के लिए भी कहा जा सकता है।)

चित्र कार्ड के साथ गतिविधियाँ

1. सब से पहले एक बच्चे के हाथ में चित्र कार्ड दें। उस चित्र को देखकर बच्चे को एक शब्द बोलना है फिर वह दूसरे बच्चे को चित्र देगा। इस प्रकार पूरे बच्चे एक–एक शब्द बोलेंगे।
2. शब्द बोलने के बाद फिर उस चित्र से जुड़ा हुआ एक वाक्य बोलने को कहें। इस प्रकार यह क्रिया चलेगी। धीरे–धीरे उन्हें अनुच्छेद या कहानी बोलने के लिए प्रेरित करें।

नोट : यह सारी प्रक्रिया एक दिन में न करें। स्तरानुसार धीरे–धीरे आगे बढ़ाएँ।

शब्द बनाएँ

अ	ल	का	ज	ल	क	डी	सा
ना	प	का	न	र	बु	रा	ई
र	का	न	म	स	त	स	बा
मा	ली	भ	लू	र	र	का	बा
प	द	कौ	आ	ब	र	त	न
दि	श	य	म	त	कि	ता	ब
न	र	ल	सु	ला	ना	ला	ला
म	त	ल	ब	क	री	ता	शा

कुछ उदाहरण : कान, बुरा, राई, साई, बाबा, किताब ....

आओ लिखें

नीचे दिए गए शब्दों में से जो शब्द समूह से अलग हो उस पर गोल घेरा लगाएँ तथा एक नया शब्द लिखें।

1)	सूर्य	–	धूप	पसीना	सोना	....	....
2)	चाँद	–	चाँदनी	सूरज	तारे	....	....
3)	हवा	–	बारिश	धूल	आँधी	....	....
4)	बादल	–	बूँद	छाता	पसीना	....	....
5)	घर	–	आँगन	सड़क	छत	....	....

पीठ पर लिखना

किसी एक बच्चे की पीठ पर कोई अक्षर लिखें, जैसे– 'ज' और बच्चे से पूछें कि उसने क्या लिखा है। सभी बच्चे ध्यान से देखें कि बच्चे ने अक्षर सही बताया है नहीं? इस प्रकार अलग–अलग बच्चों के साथ यह गतिविधि अक्षर बदल–बदल कर करें। (यह खेल शब्दों के साथ भी कर सकते हैं।)

मात्रा की यात्रा

इस खेल में अलग–अलग दिन दो, तीन या चार मात्राएँ लेकर बहुत सारे शब्द पूछें और उसे ब्लैकबोर्ड पर लिखें। फिर उनका वर्गीकरण भी कराएँ।

उदाहरण : 'आ' की मात्रा और 'ई' की मात्रा से बनने वाले शब्द– काली, टीका, पीला, नीचा, डाली इत्यादि।

शब्द से शब्द

बच्चों को कोई एक शब्द दें और पूछें कि इस शब्द को किन–किन शब्दों के माध्यम से बताया/समझाया जा सकता है, जैसे : 'दुखी' शब्द से सम्बंधित और कौन से ऐसे शब्द हो सकते हैं जिनसे दुखी शब्द को समझा जा सकता है, जैसे दुखी शब्द से – परेशान, चिंतित, दर्द, दबाव आदि।

(नोट : जो शब्द बोले जाएँ बच्चे उन्हें लिखें भी।)

सूची बनाना

बच्चों से पूछें, ''अगर आपको घर बनाना हो तो किन–किन चीज़ों या सामग्रियों की ज़रूरत होगी? उनकी सूची बनाएँ।

यह गतिविधि अलग–अलग विषयों के साथ की जा सकती है, जैसे –

- अस्पताल में चीज़ों की सूची।
- किराने के दुकान के सामान की सूची।
- शादी में क्या–क्या सामान की ज़रूरत होती है, उसकी सूची।

नई चीज़

बच्चों को रोज़ाना दस चीज़ों के नाम बताने के लिए कहें। मगर याद रहे उन दस नाम में से दो–तीन चीज़ों के नाम ऐसे होने चाहिए जो उनके लिए नए हों।

शब्दों की दुनिया

कोई एक शब्द बोलें और उसे ब्लैकबोर्ड पर लिखें। बच्चों से उस शब्द से सम्बंधित अन्य शब्द बोलने व लिखने को कहें उदाहरण के लिए कुछ शब्द दिए गए हैं– **बाज़ार, दुकान, सामान, खिलौने, सड़क, मिठाई, पैसे, आदमी, बच्चे, ख़ुशी, रिक्शा, बस** आदि। यह गतिविधि बच्चों को समूह में बाँटकर भी की जा सकती है। जिस समूह के बच्चे ज़्यादा शब्द बोलें और लिखें वह समूह विजेता कहलाएगा। बच्चों द्वारा बोले गए शब्दों से वाक्य भी बनवाए जा सकते हैं।

नोटः यह खेल हर रोज़ अवश्य कराएँ।

कुछ बोलो

प्रत्येक बच्चे को अलग–अलग परिचित विषय दें। शिक्षक बच्चों को 2–3 मिनट उसी विषय पर सोचने को कहें। फिर एक मिनट उस विषय पर बोलने के लिए प्रेरित करें।

नोट – बच्चों ने जो बोला है, उसे लिखने के लिए भी कहा जा सकता है।

शब्दों की अंताक्षरी

सभी बच्चों के छोटे–छोटे समूह बनाएँ। पहला समूह एक शब्द बोले। वह समूह उस शब्द की आख़िरी आवाज़ भी बताए, जैसे– 'मटर' से 'र'। दूसरे समूह को 'र' से बनने वाला कोई शब्द बताना होगा। इसी तरह बारी–बारी प्रत्येक समूह द्वारा बोले गए शब्द के आख़िरी अक्षर से शुरू होने वाला नया शब्द बोले और इस खेल को आगे बढ़ाए।

नोट – आगे चलकर आख़िरी आवाज़ से भी खेल सकते हैं –

दरवाजा ⟶ जाला ⟶ लाली ⟶ लीची ⟶ चीनी ⟶ नीला.........

मनपसंद

बच्चे गोल घेरे में बैठें और बारी–बारी अपने मनपसंद फूल का नाम बताएँ। जो बच्चे नाम बताने में देर करेंगे या सोचते रह जाएँगे, वे खेल से बाहर हो जाएँगे। खेल इस तरह आगे बढ़ता जाएगा। यह खेल फूलों के नाम, रंगों के नाम, शहरों के नाम, दोस्तों के नाम या फिर मनपसंद खाने की चीज़ों के नाम के साथ भी खेल सकते हैं।

मार छलाँग !

दिए गए चित्र के आधार पर ज़मीन पर एक चित्र बनाएँ। ख़ाली स्थानों में उन अंकों को लिखें जिन्हें आप बच्चों को सिखाना चाहते हैं। बच्चों को बारी–बारी बुलाएँ। लिखे हुए अंकों में से आप एक अंक पुकारें। हर बच्चे को पहले उसी अंक पर कूदना है, ठीक मेंढक की तरह। फिर दूसरा अंक पुकारें। अब बच्चे को पहले अंक के स्थान से पुकारे गए दूसरे अंक के स्थान पर कूदना है।

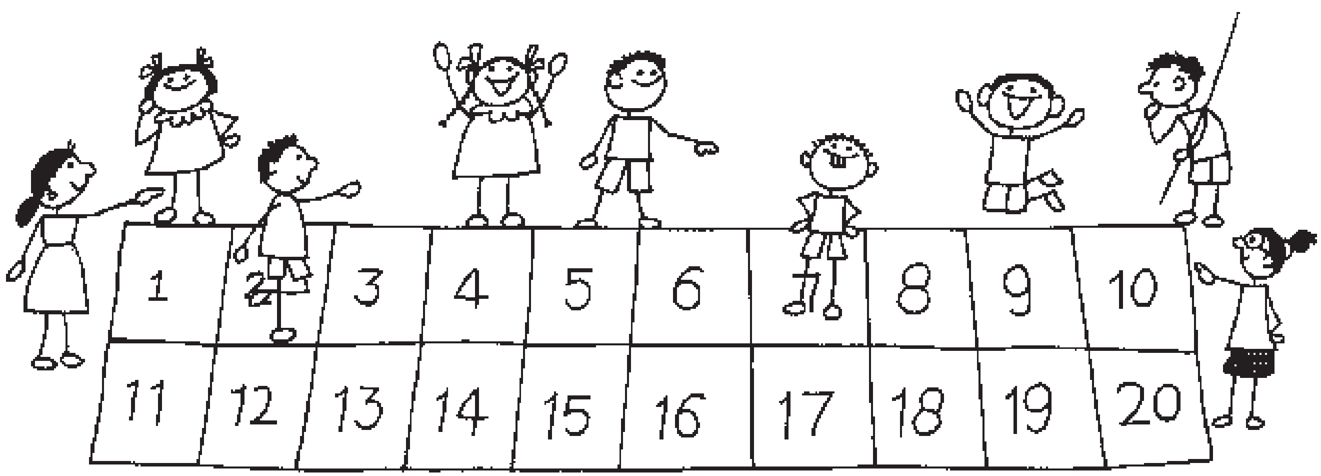

उठक–बैठक

बच्चे एक क़तार में खड़े हो जाएँ। कोई एक बच्चा ताली बजाए। बाक़ी बच्चे उठक–बैठक करना शुरू करें। जैसे ही ताली रुके बच्चे जैसे हैं वैसे ही रह जाएँ। जो उठ गया है वह उठा रहे जो बैठा है वह बैठा रहे। अब गिने कि कितने बच्चे खड़े हैं और कितने बच्चे बैठे हैं। बार–बार यह खेल खेलने से अलग–अलग हिसाब आएगा।

ताली–चुटकी

बच्चों को ताली का मतलब–10 एवं चुटकी का मतलब–1 बताएँ। फिर अलग–अलग ताली एवं चुटकी बजाकर पूछेंगे कि ताली एवं चुटकी का मान कितना हुआ? सभी बच्चों को बारी–बारी से मौक़ा दें। कभी बच्चों से इसका उल्टा भी पूछ सकते हैं कि 48 में कितनी ताली और कितनी चुटकी। जैसे :–

1 ताली 3 चुटकी = 13

48 में 4 ताली और 8 चुटकी

अलग–अलग बच्चे को ताली और चुटकी बजाने का मौक़ा दें।

लुका–छिपी

इस खेल में बच्चों से कहें– मैं कोई संख्या बोलूँगा, आप सभी फ़र्श पर हाथ से छिपाकर लिखेंगे। जब ताली बजे तब आप लोग दोनों हाथ ऊपर कर लेंगे। फिर देखें कि कितने बच्चों ने सही लिखा है? ग़लत लिखने वाले बच्चे दूसरे बच्चों की संख्या को देखकर सही कर सकते हैं। अगर बच्चे फिर भी नहीं लिख पाते हैं तो उनसे संख्या चार्ट पर अँगुली रखकर गिनती करवाएँ और फिर उसे देखकर ब्लैकबोर्ड या फ़र्श पर लिखने को कहें।

दोगुना करो/आधा करो

बच्चों से कहें कि जो भी संख्या बोली जाए उसका दोगुना करते हुए आगे बढ़ना है– 1, 2, 4, 8, 16, 32, 64 कुछ दिन बाद आधा भी करवा सकते हैं, जैसे – 64, 32, 16, 8, 4, 2, 1

नोट : शुरुआती दिनों में बच्चों से तीलियाँ या ठोस वस्तुओं की मदद से आधा व दोगुना करवाएँ।

आज का दोस्त (जोड़)

प्रतिदिन बच्चों को 10 से 18 तक की अलग–अलग संख्या एक गोल के अंदर लिखकर दें और उससे जोड़ की क्रिया निम्नलिखित तरीक़े से कराएँ तथा बताएँ कि 1 से लेकर 9 तक की ऐसी दो संख्याएँ लें जिन्हें आपस में जोड़ने से गोले के अंदर वाली संख्या आ जाए।

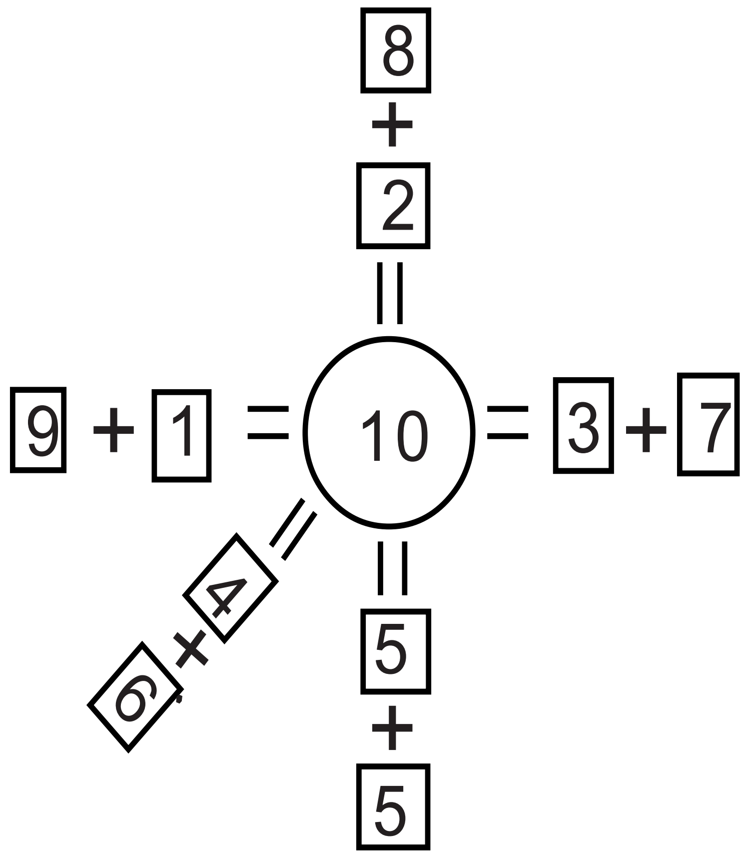

नापो इंच टेप से

- हर रोज़ बच्चों के समूह को कुछ मापन सम्बंधित कार्य दें जैसे–
- समूह के हर बच्चे को पेंसिल की लंबाई मापने और सारणी बनाने के लिए कहें।
- समूह में बच्चों की लंबाई मापने और सारणी बनाने के लिए कहें।
- अलग–अलग प्रकार की पत्तियाँ इकट्‌ठी करना और उनकी लंबाई मापकर सारणी बनाने के लिए कहें।
- कक्षा की वस्तुओं की लंबाई मापने और सारणी बनाने के लिए कहें।

(गृहकार्य में घर की वस्तुओं की लंबाई मापकर सारणी बनाकर लाने के लिए कहें।)

फ़िज़ और बज़

बच्चे गोल घेरे में खड़े होकर गिनती गिनें। गिनती के लिए शर्त सिर्फ़ यह है कि 3 या 3 के गुणा पर जो भी संख्या आए उस वक़्त ‘फ़िज़’ बोलना है और 5 या 5 के गुणा वाली संख्या पर ‘बज़’ बोलना है। साथ ही 3 या 5 दोनों के गुणा वाली संख्या पर फ़िज़ और ’बज़’ दोनों बोलने हैं, जैसे– 1, 2, फ़िज़, 4, बज़, 7, 8, फ़िज़, बज़, 11, फ़िज़, 13, 14, फ़िज़ और बज़, 16, 17........... जो गलती करेगा वह खेल से बाहर।

सेंचुरी बनाओ

बच्चे गोल घेरे में बैठें। बीच में 100 लिखें। हर बच्चे को कोई संख्या दें– 50, 40, 30। बच्चे को दी गई संख्या के साथ कोई नई संख्या बतानी होगी ताकि दोनों संख्याओं को मिलाने से पूरे 100 हो जाएँ।

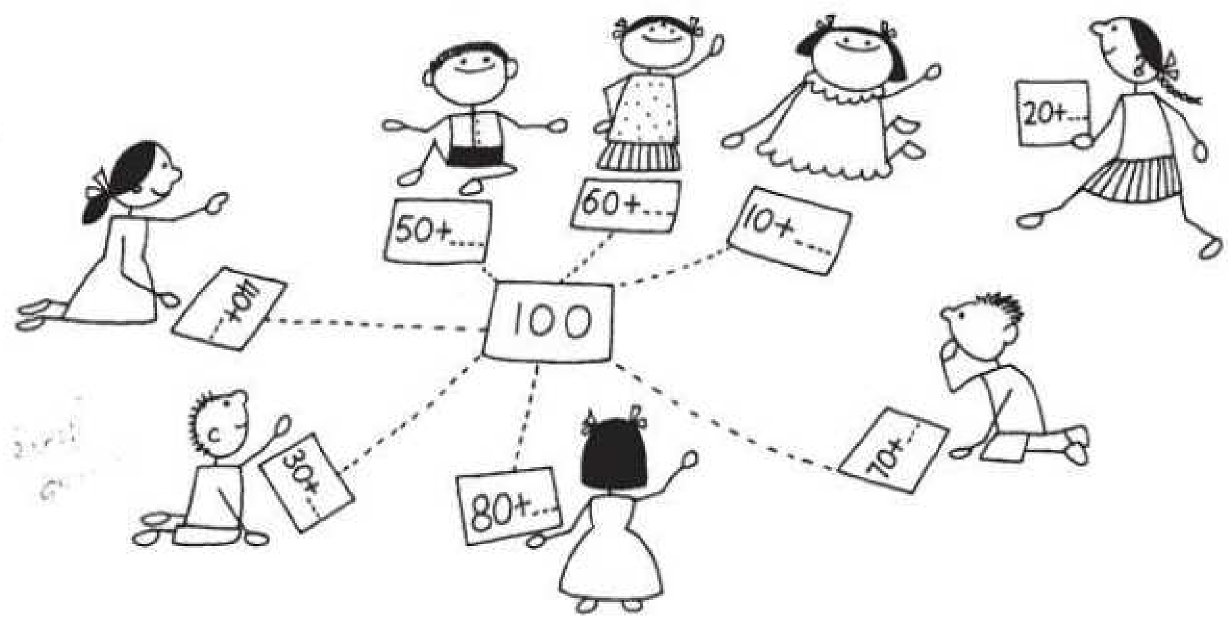

संख्या चक्र

यह एक प्रकार का खेल हैं, जिसमें हम स्थानीय मान की समझ विकसित करने पर ध्यान देते हैं। इसमें जितने अंक तक के स्थानीय मान की समझ कराना है, उतने वृत्ताकार आकृति बढ़ते क्रम में बनाते हैं। कंकड़ या बीज लेकर वृत्ताकार आकृति में फेंकते हैं। प्रत्येक वृत्त के अंदर आए कंकड़ या बीज को उठाकर उनके स्थानीय मान के अनुसार गिनते हैं और फ्रेम में लिखते हैं।

$$4312 = (1000 \times 4) + (100 \times 3)$$

$$= (10 \times 1) + (1 \times 2)$$

$$= 4000 + 300 + 10 + 2$$

गर्म या ठंडा

एक बच्चे को बाहर भेजें। दूसरा बच्चा आपके साथ मिलकर कोई भी एक अंक तय करे जैसे 25। अब पहला बच्चा वापस आता है। उसे बताएँ कि हमने ''10 से 30'' के बीच की कोई संख्या सोची है। बताओ तो वह संख्या क्या है। पहला बच्चा बताता है 15, तो दूसरा बच्चा कहेगा ''ठण्डा''। यदि पहला बच्चा बताता है 20 तो दूसरा बच्चा कहेगा ''थोड़ा गर्म''। यदि पहला बच्चा बताता है 23 तो दूसरा बच्चा कहेगा ''बहुत गर्म''। यदि पहला बच्चा बताता है 25 तो दूसरा बच्चा कहेगा ''वाह भई वाह!''

घड़ी का खेल

बच्चों से घड़ी और समय पर आधारित सवाल पूछें, जैसे– वे कितने बजे उठते हैं? स्कूल कितने बजे जाते हैं? छुट्टी कितने बजे होती है? बड़ी सूई को क्या कहते हैं? छोटी सूई को क्या कहते हैं? एक दिन में कितने घंटे होते हैं? एक मिनट में कितने सैकंड होते हैं? आदि। बच्चों को घंटे, मिनट व सैकंड की सूई के बारे में बताएँ। फिर बच्चों को छोटे–छोटे समूह में बाँट दें और उन्हें अलग–अलग समय देकर, जैसे– दो बजकर पंद्रह मिनट, छः बजकर पैंतालिस मिनट, 10:15, 12:40..... आदि को घड़ी की आकृति में दिखाने को कहें।

कैलेंडर का मज़ा

एक पुराना कैलेंडर लें और उस पर आधारित सवाल कक्षा में पूछें, जैसे– सप्ताह में कितने दिन होते हैं? सोमवार किस–किस तारीख़ को पड़ेगा? 1 महीने में कितने दिन होते हैं? 15 तारीख़ को कौन सा दिन है? एक साल में कितने महीने होते हैं? कौन–सा त्योहार कौन से दिन है? किसका जन्म दिन किस तारीख़ व किस दिन पड़ता है?

बच्चों को समूह में बाँटें और उन्हें किसी महीने का कैलेंडर बनाने को दें।

झटपट आकृति बनाओ

बच्चों को दो समूह में बाँटकर 1, 2, 3 की गिनती कर जल्दी से भिन्न–भिन्न आकृति जैसे– त्रिभुज, वृत्त, चतुर्भुज, समकोण, त्रिभुज, समद्विबाहु त्रिभुज आदि में खड़े होने को कहें। जो समूह पहले आकृति बनाएगा वही विजेता होगा।

सोचो तुम, बताऊँ मैं

बच्चे को कोई भी संख्या सोचने को कहें और फिर शिक्षक कोई संख्या बोलें और सोची गई संख्या से मिलाने को कहें। अब बच्चों से पूछें कि इनका योग कितना हुआ, बच्चा जो भी संख्या बताए उसमें शिक्षक द्वारा बोली गई संख्या को घटाकर शेष संख्या बच्चे को बताएँ कि आपने यह संख्या सोची थी। जैसे बच्चे ने सोचा 50, शिक्षक ने बोला 30 और जोड़ लो, अब बच्चे से योग पूछेंगे, बच्चा बताएगा 80 तो शिक्षक 80 में से 30 घटा देगा और बताएगा कि आपने 50 सोचा था। इसी प्रकार घटाव से सम्बंधित गतिविधि भी कराएँ, जैसे– बच्चों ने सोचा 40 अब शिक्षक बच्चों से कहें कि 20 उसमें से घटा दो। अब बच्चे से पूछें कितना बचा? बच्चा बताएगा 20 तो शिक्षक उसमें अपने द्वारा बताई गई संख्या को जोड़ कर बताए कि आपने 40 सोचा था। (संख्याओं का चयन बच्चों के स्तर के अनुसार करें।)

सभी स्तर

हैंड क्रिकेट

इस खेल को हम क्रिकेट की तरह ही खेलेंगे। सबसे पहले बच्चों को खेल के नियम बताएँगे कि यह खेल मात्र एक ओवर का होगा। इस गतिविधि में दो बच्चों को बुलाएँगे। जो टॉस जितेगा वो पहले बैटिंग करेगा और दूसरा बॉलिंग करेगा। साथ ही बताएँगे कि एक अँगुली का मतलब 1 रन, दो अँगुलियों का मतलब 2 रन, तीन अँगुलियों का मतलब 3 रन, चार अँगुलियों का मतलब 4 रन, पाँच अँगुलियों का मतलब 5 रन, अँगूठे का मतलब 6 रन, बंद मुट्ठी का मतलब 10 रन होगा। दोनों बच्चे तीन तक गिनती करते ही एक साथ रन के लिए अँगुलियाँ निकालेंगे, रन बैटिंग वाले के जुड़ते रहेंगे (दोनों अँगुलियों का जोड़)। दोनों बच्चों ने अगर एक समान अँगुलियाँ निकाली तो बैटिंग करने वाला बच्चा आउट होगा, फिर दूसरा खेलेगा। इस प्रकार जिसका रन सबसे अधिक होगा, वही जितेगा। बारी–बारी सभी बच्चों को खेलने का मौक़ा दें।

उदाहरण –	बैट्समैन	बॉलर	रन
	5	3	8
	3	2	5
	10	10	आउट

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

SCERT

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

वरुण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024